वं.अ. (विशेष शिक्षा-TSP) मा. शि परीक्षा-2018

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या /
Question Paper Booklet No.

STSP-91

Subject Code : 06

विषय / SUBJECT :
SANSKRIT

PAPER - II

समय : 2.30 घण्टे
Time : 2.30 Hours

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।
The candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the Paper Seal / Polythene bag. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल **एक** ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना है ।
6. **OMR** उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर पत्र निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा ।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर **5 अंक** कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer **all** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN**.
6. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

06

1. 'नीलोत्पलम्' इत्यस्मिन् समासस्य नाम अस्ति –
(1) बहुव्रीहि (2) तत्पुरुष:
(3) कर्मधारय: (4) द्वन्द्व:

2. 'पाणिपादम्' इति समस्त पदस्य विग्रह: अस्ति –
(1) पाणिश्च पादम् च
(2) पाणिपाद समाहार:
(3) पाणौ च पादौ च
(4) पाणी च पादौ च

3. बहुव्रीहि समासस्य उदाहरणमस्ति –
(1) पीताम्बरम्
(2) महापुरुष:
(3) अधिहरि
(4) व्याघ्राम्बर:

4. हतशत्रु: इति समस्तपदस्य विग्रह: स्यात् –
(1) हता: शत्रव: येन स:
(2) हतम् शत्रुणा य: स:
(3) हतं शत्रुणा यत् तत्
(4) हतं शत्रु: यस्मिन् तत्

5. 'मेयम्' इति पदे प्रकृति–प्रत्ययौ स्त: –
(1) √मा+यत् (2) √मे+ण्यत्
(3) √मी+क्यप् (4) √मे+ल्यप्

6. अव्ययीभाव समास: अस्ति –
(1) अन्य पदार्थ प्रधान:
(2) उभय पदार्थ प्रधान:
(3) पूर्व पदार्थ प्रधान:
(4) उत्तर पदार्थ प्रधान:

7. तल् प्रत्ययान्तं पदं वर्तते –
(1) गमिता
(2) पूता
(3) स्रविता
(4) लघुता

8. 'क्यप्' प्रत्ययान्तं पदमस्ति –
(1) गेय: (2) पेय:
(3) स्तुत्य: (4) स्थेय:

9. पच् + घञ् ________ रिक्तस्थानं पूरयत
(1) पाक: (2) पच:
(3) पक्व: (4) पाचक:

10. 'ग्रथित:' इति पदे प्रकृति प्रत्ययौ स्त:
(1) √ग्रथ् + क्त
(2) √ग्रन्थ् + क्त
(3) ग्रथि + तल्
(4) √ग्रथ् + शतृ

11. 'श्रोता' अत्र प्रकृति + प्रत्यय: विद्यते –
(1) श्रु + तृच्
(2) श्रु + शानच्
(3) श्रु + क्त:
(4) श्रु + क्तवतु

12. 'कृ+ण्वुल् ________' रिक्तस्थानं पूरयत
(1) कर्त्ता
(2) कारक:
(3) करणम्
(4) कर्तुम्

13. 'शतृ' प्रत्ययस्य अवशिष्यते –

(1) आन् (2) अत्

(3) आन (4) मान

14. 'हरि' शब्दस्य षष्ठी बहुवचने रूपमस्ति –

(1) हरिनाम्

(2) हरिणाम्

(3) हरीणाम्

(4) हरीनाम्

15. 'सखि' शब्दस्य तृतीयाएकवचने रूपमस्ति –

(1) सखिना (2) सखिणा

(3) सखीना (4) सख्या

16. 'पितृ' शब्दस्य षष्ठीद्विवचने रूपमस्ति –

(1) पितरो: (2) पितरौ

(3) पित्रो: (4) पितरो

17. 'नदी' शब्दस्य द्वितीयाबहुवचने रूपमस्ति –

(1) नदय: (2) नद्य:

(3) नद्यौ (4) नदी:

18. नपुंसकलिङ्ग 'वारि' शब्दस्य द्वितीयाबहुवचने रूपमस्ति –

(1) वारिणी

(2) वारीणी

(3) वारीणि

(4) वारिणि

19. √प्रच्छ् + क्तवतु प्रत्ययान्तं पदमस्ति –

(1) प्रच्छवान् (2) प्रच्छवत्

(3) पृष्टवान् (4) पृच्छन्

20. 'अस्मद्' शब्दस्य चतुर्थी एकवचनमस्ति

(1) मह्यम् (2) मम्

(3) माम् (4) मम

21. 'सर्व' शब्दस्य पुल्लिंग षष्ठीबहुवचने रूपमस्ति –

(1) सर्वेणाम्

(2) सर्वासाम्

(3) सर्वेषाम्

(4) सर्वेसाम्

22. 'आत्मनि' पदे विभक्तिवचनं च स्त:

(1) प्रथमा बहुवचनम्

(2) चतुर्थी एकवचनम्

(3) सप्तमी एकवचनम्

(4) सप्तमी बहुवचनम्

23. 'भू' धातो: लोट्लकारे मध्यमपुरुषद्विवचन रूपमस्ति –

(1) भवताम्

(2) भवतात्

(3) भवतम्

(4) भवत

24. 'गम्' धातो: लङ्लकारे उत्तमपुरुषएकवचन रूपमस्ति

(1) अगच्छम्

(2) अगच्छ:

(3) अगच्छाम

(4) अगच्छतम्

25. 'जगत्' शब्दस्य सप्तमीबहुवचने रूपमस्ति –

(1) जगसु (2) जगत्सु

(3) जगत्शु (4) जगत्सु

26. 'दृश्' धातोः विधिलिङ् प्रथमपुरुष एकवचन रूपमस्ति –

(1) दृश्येत् (2) दृश्येतम्
(3) दृश्येत (4) पश्येत्

27. 'लिख्' धातोः लृट्लकारे मध्यमपुरुष बहुवचन रूपमस्ति –

(1) लिखिष्यसि
(2) लिखिष्यतम्
(3) लिखिष्यथुः
(4) लेखिष्यथ

28. 'अस्' धातोः लङ्लकारस्य प्रथमपुरुष बहुवचनम् अस्ति

(1) सन्ति (2) आसीत्
(3) अभूवन् (4) आसन्

29. 'नृत्' धातोः लृट्लकार–उत्तमपुरुष द्विवचन रूपमस्ति –

(1) नृतिष्यावः
(2) नृर्तिष्यावः
(3) नर्तिष्यावः
(4) नृत्स्यावः

30. 'पच्' धातोः लृट्लकारे मध्यमपुरुष बहुवचन रूपमस्ति –

(1) पचिष्यथः
(2) पचिष्यथ
(3) पक्ष्यथुः
(4) पक्ष्यथ

31. 'हन्' धातोः लोट्लकार–मध्यमपुरुष एकवचन रूपमस्ति

(1) जहि (2) हन
(3) हन्तु (4) हनतम्

32. "शनैः पन्थाः शनैः कन्था शनैः पर्वतलङ्घनम्" इत्यत्र 'शनैः' अव्ययस्य अर्थ अस्ति –

(1) लघुगत्या
(2) मन्द्रस्वरेण
(3) मन्दगत्या
(4) उच्चगत्या

33. "मुहूर्तं ज्वलितं श्रेयो न च धूमायितं चिरम् ।" इत्यत्र 'चिरम्' अव्ययस्य अर्थ अस्ति –

(1) शाश्वतकालम्
(2) कालान्तरे
(3) दीर्घकालम्
(4) तात्कालिकरूपेण

34. 'नभः' अव्ययस्य प्रयोगे विभक्तिः प्रयुज्यते –

(1) द्वितीया (2) सप्तमी
(3) प्रथमा (4) चतुर्थी

35. "धिक् त्वाम् अनधीत विद्यम्" इत्यत्र 'धिक्' अव्ययस्य अर्थ अस्ति –

(1) निषेधः
(2) भर्त्सनम्
(3) आलोचना
(4) मार्गदर्शनम्

36. 'ददति' इति पदे प्रयुक्तः धातुलकारः

(1) दा + लोट्
(2) दा + लट्
(3) दा + लङ्
(4) दा + विधिलिङ्

37. "पुत्रादपि प्रियतरं खलु तेन दानम्" इत्यत्र 'खलु' अव्ययस्य अर्थ अस्ति –
(1) विनिग्रह:
(2) जिज्ञासा
(3) निश्चय:
(4) तुलना

38. '________ पिशुनम्' उचित अव्ययेन रिक्तस्थानं पूरयत
(1) कथम्
(2) किल
(3) इत्थम्
(4) धिक्

39. 'इत्थम्' अव्ययस्य सामान्यरूपेण अर्थ अस्ति –
(1) अनेन प्रकारेण
(2) अत्रत:
(3) विशिष्टरूपेण
(4) प्रकारान्तरेण

40. उपसर्गा: धातुयोगे किं कुर्वन्ति ?
(1) अर्थ परिवर्तनम्
(2) अर्थस्य न्यूनीकरणम्
(3) अर्थस्य टिप्पणीकरणम्
(4) अर्थस्य अध:करणम्

41. शिष्य: अध्ययनात् ______ जयते । उचित उपसर्गेण रिक्तस्थानं पूरयत
(1) निर्
(2) दुर्
(3) प्र
(4) परा

42. यथा वृक्ष: ________ फलम् । उचित अव्ययेन रिक्तस्थानं पूरयत
(1) तदा
(2) तथा
(3) कदा
(4) पुन:

43. 'सम' उपसर्गपूर्वकं अस् धातो: निष्पन्नस्य 'समस्यति' शब्दस्य अर्थ अस्ति –
(1) सम्यक्रूपेण भवति
(2) सम्यक्रूपेण तिष्ठति
(3) संक्षिप्ती करोति
(4) समस्यां न करोति

44. 'अनु' उपसर्गपूर्वकं 'हृ' धातो: निष्पन्नस्य 'अनुहरति' शब्दस्य अर्थ अस्ति –
(1) सादृश्यं बिभर्ति
(2) पश्चात् हरति
(3) अनुगमनं करोति
(4) आक्षेपं करोति

45. 'आ' उपसर्गपूर्वकं 'दिश्' धातो: निष्पन्नस्य 'आदिशति' शब्दस्य अर्थ: स्यात् –
(1) उपदेशं करोति
(2) संदेशं ददाति
(3) आदेशं ददाति
(4) अनुमतिं ददाति

46. 'प्रति' उपसर्गपूर्वकस्य 'प्रत्येति' शब्दस्य अर्थ अस्ति –
(1) प्रत्येकं गच्छति
(2) विश्वासं करोति
(3) विरोधं करोति
(4) परिवर्तनं करोति

47. 'अप' उपसर्गपूर्वकं 'अपाकरोति' शब्दस्य अर्थ अस्ति –
(1) न्यूनीकरोति
(2) तिरस्कारं करोति
(3) दूरं करोति
(4) अपहरणं करोति

48. "परमात्मायाः महिमानं पश्य" रेखाङ्किते शुद्धपदं भविष्यति –

(1) परमात्मस्य (2) परमात्मनौ

(3) परमात्मनः (4) परमात्म्याः

49. 'गाँव के दोनों ओर जल है' इत्यस्य वाक्यस्य शुद्धानुवादः अस्ति –

(1) ग्रामस्य अमितः जलम् अस्ति

(2) ग्रामम् अमितः जलम् अस्ति

(3) ग्रामात् अमितः जलम् अस्ति

(4) ग्रामेण अमितः जलम् अस्ति

50. 'सीता मोदक खाकर जल पीती है ।' इत्यस्य संस्कृतानुवादः स्यात्

(1) सीता मोदकः खाद्य जलं पायति

(2) सीता मोदकः खादित्वा जलं पाययति

(3) सीता मोदकं खादित्वा जलं पिबति

(4) सीतया मोदकं खाद्य जलं पीयते

51. "मुझे पक्के आम अच्छे लगते हैं ।" इत्यस्य संस्कृतानुवादः स्यात् –

(1) माम् पक्वानि आम्राः रोचन्ते

(2) मम पक्वाः आम्राः रोचन्ते

(3) मया पक्वाः आम्राणि रोचयन्ते

(4) मह्यम् पक्वानि आम्राणि रोचन्ते

52. "अयं कथा मामेव स्पृशति" रेखाङ्किते शुद्धपदं भविष्यति –

(1) एतत् (2) तत्

(3) इदम् (4) इयम्

53. "किसी पेड़ पर एक वानर और एक कबूतर रहते थे ।"

उपर्युक्त वाक्यस्य संस्कृतानुवादः स्यात् –

(1) कस्मिन् वृक्षं एकः वानरः एकः कपोतः च अनिवसत्

(2) कस्मिंश्चिद् वृक्षे वानरकपोतौ न्यवसताम्

(3) कश्चित् वृक्षे वानरकपोतौ न्यवसत्

(4) कस्मिन् वृक्षं एकः वानरः एकः कपोतः च अनिवसतः

54. शुद्ध वाक्यमस्ति –

(1) बदरीफलं सर्वेभ्यः फलेभ्यः निकृष्टतमः

(2) बदरीफलं सर्वान् फलान् निकृष्टतमः

(3) बदरीफलं सर्वेषु फलेषु निकृष्टतमम्

(4) बदरीफलं सर्वफलेभ्यः निकृष्टतमः

55. निम्नलिखितेषु अशुद्धं वाक्यम् अस्ति

(1) चोरः सज्जनायं द्रुह्यति

(2) तस्मै नृपाय कथयति

(3) भवती सत्यं वदसि

(4) धनात् विद्या गुरुतरा

56. 'किसी निर्धन को वस्त्र दो' इत्यस्य संस्कृतानुवादः भविष्यति –

(1) कमपि निर्धनं वस्त्रं दद

(2) कमपि निर्धनं वस्त्रं ददातु

(3) कस्मैश्चिद् निर्धनं वस्त्रं ददताम्

(4) कस्मैश्चिद् निर्धनाय वस्त्रं देहि

57. अश्वघोषरचित प्रकरण ग्रन्थस्य किं नाम अस्ति ?
(1) मृच्छकटिकम्
(2) दरिद्र चारुदत्तम्
(3) शारिपुत्रम्
(4) धूर्तनर्तनम्

58. रघुवंशमहाकाव्यं कतिसर्गात्मकमस्ति ?
(1) एकोनविंशति:
(2) विंशति:
(3) अष्टादश
(4) एकविंशति:

59. वासवदत्ता ग्रन्थस्य रचना केन कृता ?
(1) भासेन (2) सुबन्धुना
(3) दण्डिना (4) उद्योतकरेण

60. छायाङ्कः भवभूतेः कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते ?
(1) महावीरचरिते ।
(2) उत्तररामचरिते
(3) विक्रमाङ्कदेवचरिते
(4) मालतीमाधवे

61. गोविन्दवैभवम् रचना अस्ति –
(1) देवर्षि कलानाथ शास्त्रिण:
(2) भट्ट मथुरानाथ शास्त्रिण:
(3) पद्म शास्त्रिण:
(4) सूर्यनारायण शास्त्रिण:

62. चतुर्विंशतिसाहस्रीसंहिता कस्य ग्रन्थस्य नाम अस्ति ?
(1) रघुवंशस्य
(2) रावणवधस्य
(3) रामचरितमानसस्य
(4) वाल्मीकिरामायणस्य

63. 'नारिकेलफल सम्मितं वच:' कस्य महाकवे: अस्ति
(1) कालिदासस्य
(2) बाणस्य
(3) भारवे:
(4) दण्डिन:

64. महाकवे: भासस्य रचना न वर्तते
(1) प्रतिज्ञा यौगन्धरायण:
(2) उरुभङ्गम्
(3) अविमारकम्
(4) वासवदत्ता

65. 'चायशतकम्' रचना अस्ति –
(1) प्रभाकर शास्त्रिण:
(2) सूर्यनारायण शास्त्रिण:
(3) पद्मशास्त्रिण:
(4) गणेशरामशर्मण:

66. 'हितोपदेश:' इति रचना कस्य कवे: अस्ति
(1) नारायण पण्डितस्य
(2) प. विष्णुशर्मण:
(3) भर्तृहरे:
(4) विशाखदत्तस्य

67. महाकवे: कालिदासस्य प्रसिद्धि: कस्मिन् अलंकारे अस्ति ?
(1) अर्थान्तरन्यास:
(2) उपमा
(3) अनुप्रास:
(4) उत्प्रेक्षा:

68. प्रथमा विभक्तिः स्यात् –

(1) परिमाणमात्रे (2) धातौ

(3) प्रत्यये (4) अव्यये

69. "तण्डुलेभ्यः ओदनं पचति" इत्यत्र रेखाङ्किते उचितं पदं स्यात् –

(1) तण्डुलम्

(2) तण्डुलान्

(3) तण्डुलैः

(4) तण्डुलात्

70. कर्मवाच्ये कर्ता भवति

(1) प्रथमा विभक्तौ

(2) द्वितीया विभक्तौ

(3) पञ्चमी विभक्तौ

(4) तृतीया विभक्तौ

71. "मासेन अधीतः न आयातः" इत्यत्र रेखाङ्किते उचितं पदं स्यात्

(1) मासात् (2) मासाय

(3) मासम् (4) मासे

72. भयहेतौ विभक्तिः प्रयुज्यते

(1) तृतीया (2) चतुर्थी

(3) पञ्चमी (4) सप्तमी

73. निम्नलिखितेषु कवि भट्ट मथुरानाथशास्त्रेः रचना न वर्तते –

(1) आदर्श रमणी

(2) जयपुरवै भवम्

(3) भारत वैभवम्

(4) द्वा सुपर्णा

74. "कृष्णस्य परितः गोपिकाः सन्ति" इत्यत्र उचितं पदं स्यात् –

(1) कृष्णात्

(2) कृष्णम्

(3) कृष्णेन

(4) कृष्णे

75. 'छात्रेषु रामः पटुतमः' केन सूत्रेण सप्तमी प्रयुक्तः

(1) भुवः प्रभवश्च

(2) यस्य च भावेन भावलक्षणम्

(3) सप्तमीपञ्चम्यौ कारकमध्ये

(4) यतश्च निर्धारणम्

76. इन्द्रवज्रा–छन्दसि तगण संख्या भवति

(1) त्रयः (2) द्वौ

(3) चत्वारः (4) एकः

77. "मन्दाक्रान्ताऽम्बुधिरसनगैर्मोभनौ तौ गयुग्मम्" इति छन्दसः अस्मिन् लक्षणे 'नगैः' पदेन संख्या सूच्यते –

(1) चत्वारः (2) षट्

(3) अष्ट (4) सप्त

78. वंशस्थ छन्दसि प्रत्येकस्मिन् चरणे वर्णाः भवन्ति

(1) पञ्चदश (2) एकादश

(3) द्वादश (4) सप्तदश

79. 'गोषु दुह्यमानासु गतः' अत्र प्रवृतं सूत्रमस्ति –

(1) यतश्च निर्धारणम्

(2) सप्तम्यधिकरणे च

(3) आधारोऽधिकरणम्

(4) यस्य च भावेन भावलक्षणम्

80. शिखरिणी छन्दस: लक्षणे "रुद्रै:" पदेन का संख्या सूच्यते

(1) षट्   (2) अष्ट

(3) एकादश   (4) नव

81. स्रग्धरा–छन्दस: लक्षणे त्रिमुनियतियुता शब्देन सूच्यते –

(1) 3, 3, 3   (2) 7, 7, 7

(3) 5, 5, 5   (4) 6, 6, 6

82. "चित्रे निवेश्य परिकल्पितसत्त्वयोगा" इत्यस्मिन् छन्दस: नाम अस्ति –

(1) वसन्ततिलका

(2) भुजंगप्रयातम्

(3) आर्या

(4) उपेन्द्रवज्रा

83. अनुष्टुप् छन्दसि प्रत्येकस्मिन् चरणे षष्ठवर्ण: भवति –

(1) गुरु:   (2) लघु:

(3) ह्रस्व: (4) दीर्घ:

84. "अनुप्रास: शब्दसाम्यं वैषम्येऽपि स्वरस्य यत्" इत्यस्मिन् लक्षणे 'शब्दसाम्यं' पदस्य अभिप्राय अस्ति –

(1) स्वरसाम्यम्

(2) पदसाम्यम्

(3) व्यञ्जनसाम्यम्

(4) स्वरव्यञ्जनसाम्यम्

85. "किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्" इत्यस्मिन् छन्दस: नाम अस्ति –

(1) भुजंगप्रयातम्

(2) वसन्ततिलका

(3) द्रुतविलम्बितम्

(4) मालिनी

86. रूपकालङ्कारे प्रकृतस्य सह अप्रकृतस्य स्थाप्यते –

(1) सम्भावनम्

(2) अभेद:

(3) साम्य:

(4) आधिक्यम्

87. "क्व सूर्यप्रभवो वंश:, क्व चाल्पविषया मति: ।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्"
उपर्युक्त उद्धरणे अलङ्कारस्य नाम अस्ति –

(1) निदर्शना

(2) तुल्ययोगिता

(3) उत्प्रेक्षा

(4) व्यतिरेक:

88. दृष्टान्त–अलङ्कारे भवति –

(1) उपमानोपमेययो: न्यूनाधिक्यम्

(2) सादृश्य परिकल्पनम्

(3) बिम्बप्रतिबिम्बभावम्

(4) साक्षात् सादृश्यम्

89. "वृहत्सहाय: कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति ।
सम्भूषाम्भोधिमभ्येति महानद्या नगापगा ।।"
उपर्युक्तोदाहरणे अलङ्कारस्य नाम अस्ति –

(1) उपमा

(2) अर्थान्तरन्यास:

(3) स्वभावोक्ति:

(4) उत्प्रेक्षा

90. उपमा अलङ्कारे भवति –

(1) उपमानोपमेययो: सुन्दरं साम्यम्

(2) उपमानोपमेययो: स्पष्टं साम्यम्

(3) उपमानोपमेययो: अस्पष्टं साम्यम्

(4) उपमानोपमेययो: स्पष्टं सुन्दरं च साम्यम्

91. उपमानाद्यन्यस्य _______ स एव स ।
रिक्तस्थाने अलङ्कारस्य नामोल्लेखनीय :
(1) उत्प्रेक्षा (2) तुल्ययोगिता
(3) व्यतिरेक: (4) सन्देह:

92. ऋग्वेदे 'सत्यश्चित्रश्रवस्तम:' देव: क: ?
(1) अग्नि: (2) विष्णु:
(3) इन्द्र: (4) पुरुष:

93. ऋग्वेदे 'उरुगाय:' कस्य देवस्य विशेषणमस्ति ?
(1) अग्ने: (2) इन्द्रस्य
(3) सूर्यस्य (4) विष्णो:

94. ऋच: सामानि कस्मात् जज्ञिरे ?
(1) पुरुषात्
(2) सर्वहुत: यज्ञात्
(3) द्युलोकात्
(4) सोमात्

95. मात्रास्पर्शा: कं पुरुषं न व्यथयन्ति ?
(1) समदु:खसुखं धीरम्
(2) कार्पण्यदोषोपहतस्वभावम्
(3) अमृलोकवासिनम्
(4) युद्धवीरम्

96. नव पलाश पलाश वनं पुर: स्फुट पराग परागत पङ्कजम् ।
मृदु लतान्त लतान्त मलोकयत् स सुरभिं सुरभिं सुमनो भरै: ।
अस्मिन् श्लोके क: अलंकार: अस्ति ?
(1) सन्देह: (2) व्यतिरेक:
(3) अनुप्रास: (4) यमकम्

97. सत्यस्य मुखं केन आपिहितम् ?
(1) असत्येन
(2) लोभेन
(3) कामेन
(4) हिरण्मयेन पात्रेण

98. अजो नित्य: शाश्वतोऽयं पुराणो
न हन्यते हन्यमाने शरीरे
श्लोकेऽस्मिन् कस्य वर्णनम् अस्ति
(1) धर्मस्य (2) आत्मन:
(3) शरीरस्य (4) मनस:

99. कया अमृतम् अश्नुते
(1) विद्यया
(2) धनेन
(3) कामेन
(4) कर्मणा

100. प्राचीन समये वर्ण व्यवस्थाया: आधार आसीत्
(1) जन्म
(2) वर्ण:
(3) वंश:
(4) गुणकर्म विभाग:

101. भगवद्गीतानुसारेण व्यवसायात्मिका बुद्धि: कीदृशी भवति ?
(1) बहुशाखा
(2) अनन्ता
(3) ऊहापोहयुक्ता
(4) एका

102. 'समावर्तन संस्कार:' कदा क्रियते ?

(1) जन्म समये

(2) विद्यारंभ समये

(3) शिक्षा समाप्ति समये

(4) मृत्यु समये

103. पञ्चमहायज्ञेषु भूतयज्ञ: सिद्धयति

(1) भूतप्रेतेषु आस्थाम्

(2) मृत्योरनन्तरं जीवस्य उपस्थितिम्

(3) सर्वेषु प्राणिषु सहिष्णुता दया च

(4) भूतेभ्य: भीतिम्

104. भारतीय संस्कृतौ ब्रह्म यज्ञ: शिक्षयति –

(1) ब्राह्मणानां पूजनम्

(2) स्नानं तर्पणम् च

(3) तपसि अवस्थानम्

(4) स्वाध्यायम् अध्यापनम् च

105. क: कवि: 'दीपशिखा' विरुदेन विभूषित:

(1) माघ:

(2) भारवि:

(3) कालिदास:

(4) भवभूति:

106. आश्रमव्यवस्थायां सर्वेषाम् आश्रमाणाम् आश्रय: अस्ति –

(1) ब्रह्मचर्याश्रम:

(2) वानप्रस्थाश्रम:

(3) गृहस्थाश्रम:

(4) संन्यास–आश्रम:

107. हरि: .... अधिशेते । रिक्तस्थानं पूरयत

(1) वैकुण्ठे

(2) वैकुण्ठेन

(3) वैकुण्ठम्

(4) वैकुण्ठाय

108. संस्कृतशिक्षणस्य सामान्यसिद्धान्त: अस्ति –

(1) स्वाभाविकताया:

(2) ज्ञातादज्ञातं प्रति

(3) सरलात् कठिनं प्रति

(4) प्रवचन:

109. श्रीरामकृष्णगोपालभण्डारकर महोदयेन क: विधि: प्रतिपादित: ?

(1) व्याकरणानुवादविधि:

(2) पाठशालाविधि:

(3) पाठ्यपुस्तकविधि:

(4) वार्त्तालापविधि:

110. 'हरबार्टीय पंचपद्यान्तर्गते नागच्छति ?'

(1) प्रस्तावना–विषयोपस्थानं च

(2) तुलना–सामान्यीकरणं च

(3) मूल्याङ्कनम्

(4) प्रयोग:

111. 'अक्ष्णा काण:' अस्मिन् वाक्ये किं सूत्रम् ?

(1) सहयुक्तेऽप्रधाने

(2) येनाङ्गविकार:

(3) अपवर्गे तृतीया

(4) अकथितं च

112. व्याकरण शिक्षणस्य विधिषु एषः विधिः न परिगण्यते

(1) सूत्रविधिः

(2) अन्वय–व्यतिरेक विधिः

(3) तुलना विधि

(4) आगमन–निगमन विधिः

113. गद्यशिक्षणान्तर्गते प्रयुक्तानि शिक्षण सोपानानि सन्ति –

(1) आदर्शवाचनम्, पुनःसस्वरवाचनम्, काठिन्यनिवारणम्, बोधप्रश्नाः

(2) आदर्शवाचनम्, अनुकरणवाचनम्, सौन्दर्यानुभूति प्रश्नाः शब्दार्थः

(3) आदर्शवाचनम्, काठिन्यनिवारणम्, मौनवाचनम्, मूल्यांकनम्

(4) मूल्यांकनम्, संवादः मौनवाचनम्, भावविश्लेषणात्मक प्रश्नाः

114. पद्य शिक्षणस्य विधिः नास्ति

(1) भाष्यविधिः

(2) प्रत्यक्षविधिः

(3) समीक्षाविधिः

(4) तुलनाविधिः

115. शास्त्रार्थः संवादश्च कस्मिन् विधौ प्रयुक्तौ ?

(1) पाठशालाविधौ

(2) व्याकरणानुवादविधौ

(3) प्रत्यक्षविधौ

(4) पाठ्यपुस्तकविधौ

116. दृश्यश्रव्यसाधनानां प्रयोगेण संस्कृतशिक्षणं ...... भवति –

(1) रोचकम्, आकर्षकम् प्रभावपूर्णमुद्देश्यगम्यं च भवति

(2) भ्रमोत्पादक मिथ्याज्ञानस्य संवर्द्धनं भवति

(3) बालकाः प्रमादयुक्ताः निष्क्रियाश्च भवन्ति

(4) विकल्प–प्रथमः द्वितीयः च समुचितौ न

117. नाटकशिक्षणस्य विधिः नास्ति

(1) आगमननिगमनविधिः

(2) अभिनयविधिः

(3) आदर्शनाट्यविधिः

(4) व्याख्याविधिः

118. "प्रक्षेपणयन्त्रम्" अस्ति

(1) सामान्यदृश्यसाधनम्

(2) यान्त्रिकदृश्यसाधनम्

(3) श्रव्यसाधनम्

(4) दृश्यश्रव्यसाधनम्

119. अधोलिखितेषु सामान्यदृश्य साधनानि सन्ति –

(1) मूकचित्रम्, श्यामपट्टः, भित्तिपत्रिकाश्च

(2) मानचित्रम्, रेखाचित्रम्, चित्रविस्तारकश्च

(3) फ्लेनलपट्टः, आरेखाः, प्रतिकृतिः च

(4) उक्तानि सर्वाणि

120. संस्कृतशिक्षणस्य श्रव्यसाधनम् अस्ति –

(1) आकाशवाणी

(2) मानचित्रम्

(3) चलचित्रम्

(4) सङ्गणक:

121. 'शलाका परीक्षा' कस्या: परीक्षाया: उपभेद: अस्ति ?

(1) लिखित परीक्षाया:

(2) मौखिक परीक्षाया:

(3) प्रायोगिक परीक्षाया:

(4) व्यावहारिक परीक्षाया:

122. पद्य शिक्षणस्य कस्मिन् विधौ प्रश्ना: ,पाठ्यविषयवस्तु आधारिता: सन्ति ?

(1) खण्डान्वयविधौ

(2) दण्डान्वयविधौ

(3) भाष्यविधौ

(4) तुलनाविधौ

123. संस्कृतशिक्षणस्य दृश्यश्रव्यसाधनं नास्ति

(1) दूरदर्शनम्

(2) वीडियो

(3) चलचित्रम्

(4) श्यामपट्ट:

124. निम्नांकितेषु सांस्कृतिकगतिविधि: नास्ति

(1) संस्कृतदिवसस्य आयोजनम्

(2) कवीनां जन्मदिवसानाम् आयोजनम्

(3) निबन्धलेखनम्

(4) संस्कृतस्य दुर्लभग्रन्थानां पाण्डुलिपीनाञ्च प्रदर्शिनी

125. निम्नांकितेषु साहित्यिकगतिविधि: अस्ति

(1) नाट्याभिनय:

(2) वादविवाद:

(3) संस्कृतगीतम्

(4) एकाङ्की–नाटकम्

126. संस्कृतशिक्षणस्य गुण: नास्ति

(1) शुद्धोच्चारणम्

(2) शुद्ध: सुन्दरश्च लेख:

(3) कुशलमौखिकाभिव्यक्ति:

(4) अकुशलोऽभिनेता

127. संस्कृतशिक्षकस्य कर्त्तव्यम् अस्ति –

(1) संस्कृतभाषाया: ज्ञाता

(2) संस्कृतसाहित्यस्य ज्ञाता

(3) व्याकरणस्य ज्ञाता

(4) सर्वे

128. उच्चारणशिक्षणे अनुकरणवाचन–प्रश्नोत्तर–काठिन्यनिवारणादीनां कृते शिक्षकेण क: विधि: अनुसरणीय:

(1) प्रश्नोत्तरविधि:

(2) व्यवहारविधि:

(3) अनुकरणविधि:

(4) परिष्कारविधि:

129. कस्मिन् विकल्पे संयोग संज्ञा अस्ति

(1) बाला: (2) रमेश:

(3) उष्ट्र: (4) राम:

130. अच् प्रत्याहारे सम्मिलिता: भवन्ति

(1) स्वर–वर्णा:

(2) व्यञ्जन–वर्णा:

(3) ऊष्म–वर्णा:

(4) अन्त:स्थ वर्णा:

131. संस्कृत–व्याकरणे संहिता पदेन सूच्यते –

(1) वेदा:

(2) सन्धि:

(3) समासा:

(4) आगम:

132. निम्नलिखितेषु पदसंज्ञकं वर्णसमूहमस्ति –

(1) राम (2) हरि

(3) इन्द्र (4) रमा

133. 'ट' वर्गस्य उच्चारणस्थानं वर्तते –

(1) कण्ठ:

(2) मूर्धा

(3) तालु

(4) दन्ता:

134. 'जबगडदश्' इत्यस्मिन् सूत्रे इत्संज्ञक:वर्ण: अस्ति –

(1) अ (2) ज्

(3) श् (4) ड्

135. स्पर्शवर्णानां प्रयत्नं भवति –

(1) संवृतम् (2) विवृतम्

(3) स्पृष्टम् (4) ईशत्स्पृष्टम्

136. बाह्य–प्रयत्ना: कतिधा भवन्ति –

(1) पञ्च

(2) एकादश

(3) द्वादश

(4) सप्त

137. "इको भणचि" सूत्रानुसारेण 'मात्राज्ञा' पदस्य सन्धिविच्छेद: स्यात्

(1) मात्र + आज्ञा

(2) मात्रा + आज्ञा

(3) मातु: + आज्ञा

(4) मातृ + आज्ञा

138. 'नाविक:' पदस्य सन्धिविच्छेद: अस्ति –

(1) नौ + इक:

(2) नाव् + इक:

(3) नो + इक:

(4) न: + आविक:

139. 'कश्चिल्लभते' इत्यस्य सन्धिविच्छेद: भवति –

(1) कश्चि + लभते

(2) कश्चिद् + लभते

(3) कश्चिच् + लभते

(4) कश्चिज् + लभते

140. 'लृ' वर्णस्य उच्चारणस्थानमस्ति –

(1) दन्ता:

(2) ओष्ठौ

(3) दन्तोष्ठम्

(4) नासिका

141. 'शत्रुम् + जयति' इत्यस्य सन्धिपदमस्ति –

(1) शत्रुन्जयति

(2) शत्रुम्जयति

(3) शत्रुंजयति

(4) शत्रुज्जयति

142. 'पेष्टा' इत्यस्य संधिविच्छेद: अस्ति –

(1) पेस् + ता

(2) पेश् + ता

(3) पेष् + ता

(4) पे: + ता

143. 'अक: सवर्णे दीर्घ:' सूत्रानुसारेण दैत्यारि: पदस्य सन्धिविच्छेद: अस्ति –

(1) दैत्या + रि:

(2) दैत्य + अरि:

(3) दैत् + आरि:

(4) दैति + आरि:

144. 'उपोषति' इत्यस्मिन् पदे सन्धि: भवति: –

(1) उ + पोषति

(2) उप + ओषति

(3) उपो + ओषति

(4) उप + औषति

145. 'शम्भुस् + राजते' इत्यस्य संधियुक्तपदम् अस्ति

(1) शम्भु राजते

(2) शम्भू राजते

(3) शम्भु: राजते

(4) शम्भू: राजते

146. 'अतिनिद्रम्' उदाहरणमस्ति –

(1) तत्पुरुष समासस्य

(2) बहुव्रीहि समासस्य

(3) कर्मधारय समासस्य

(4) अव्ययीभाव समासस्य

147. तत्पुरुषसमासस्य उदाहरणमस्ति –

(1) शिवकेशवौ

(2) उपकृष्णम्

(3) जलजाक्ष:

(4) अक्षशौण्ड:

148. 'चोरभयम्' पदस्य समासविग्रह: अस्ति –

(1) चोरेण भयम्

(2) चोराय भयम्

(3) चोराद् भयम्

(4) चोरस्य भयम्

149. 'पञ्चगवम्' पदस्य समासविग्रह: स्यात् –

(1) पञ्च च गवम् च यस्य स:

(2) पञ्चानां गवां समाहार:

(3) पञ्चानां गवानां समूह: यत्र तत्

(4) पञ्चसु गोषु य: तिष्ठति तम्

150. विष्णु: + त्राता इत्यस्य सन्धिपदं वर्तते –

(1) विष्णोत्राता

(2) विष्णत्राता

(3) विष्ण्वत्राता

(4) विष्णुस्त्राता